

रॉबर्ट वैनॉय , प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 8

यशायाह 11:1-9, ईसा के प्रति अंतर दृष्टिकोण। 11:6-9

यशायाह 10 की समीक्षा

हम अभी भी इम्मानुएल की पुस्तक में हैं, जो यशायाह 7-12 है। हमने अंतिम घंटे के अंत में अध्याय 10 समाप्त किया, इसलिए हम आज सुबह अध्याय 11 की ओर बढ़ते हैं। याद रखें अध्याय 10 का अंत, आप कह सकते हैं, अश्शूर के जंगल को काटने के साथ हुआ था। वह अंत में आलंकारिक भाषा है, लेकिन आप पद 28 से देख सकते हैं कि अश्शूरियों का एक शहर से दूसरे शहर तक आगे बढ़ना जब तक कि वे यरूशलेम में नहीं आ जाते, पद 32 में: "वह सिय्योन की बेटी के पर्वत, अर्थात् पहाड़ी पर अपना हाथ बढ़ाएगा" यरूशलेम का।" लेकिन फिर हमारे पास प्रभु का हस्तक्षेप है: "प्रभु धनुष पर आतंक का ताला लगा देंगे, ऊँचे कद वालों को काट दिया जाएगा, अभिमानियों को नीचा कर दिया जाएगा। वह जंगल के घने जंगल को लोहे से काट डालेगा; लेबनान का शक्तिशाली पतन होगा।" तो 10 के अंत में आपके पास असीरिया का विनाश होगा।

यशायाह 11 - स्टंप की नई शूटिंग 11 की शुरुआत में आपके पास इस अर्थ में इसके विपरीत है: असीरिया फिर से उठने के लिए गिरता है - 612 ईसा पूर्व तक नीनवे नष्ट हो गया है, असीरिया चला गया है। लेकिन इसके विपरीत, दाऊद का साम्राज्य, जिसे भी काट दिया गया है - इज़राइल निर्वासन में चला गया है - फिर कभी न उठने के लिए नष्ट नहीं किया गया है; बल्कि, यह एक नया अंकुर भेजता है। स्टंप बचा हुआ है; यह अभी भी जीवित है, और इसलिए आप 11:1 में पढ़ते हैं, "यिशै के तने से एक छड़ी निकलेगी, और उसकी जड़ से एक शाखा निकलेगी।" हालाँकि यहूदा पर भी न्याय आता है, और फिर से पेड़ की कल्पना का उपयोग करते हुए, यहूदा को काट दिया जाता है, फिर भी जीवित है और प्रभु इस शाखा, इस अंकुर को आगे बढ़ाते हैं। इसलिए परमेश्वर के लोगों को दंडित किया गया, लेकिन वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए, जैसा कि अश्शूर के मामले में हुआ था।

यशायाह 11:2 शाखा आत्मा से संपन्न मसीहाई व्यक्ति है अब, 11:1 पुराने नियम में एक बहुत प्रसिद्ध श्लोक है, "यिशै के तने में से एक छड़ी निकलेगी," एक मसीहाई संदर्भ बिल्कुल स्पष्ट है।

जैसे-जैसे आप श्लोक 2 में पहुँचते हैं यह स्पष्ट हो जाता है, क्योंकि आप देखते हैं कि श्लोक 2 ऐसे बोलता है मानो यह छड़ी और यह शाखा एक व्यक्ति है, और यह एक व्यक्ति है जो आत्मा की शक्ति से संपन्न है: "और प्रभु की आत्मा बुद्धि और समझ की आत्मा, युक्ति और पराक्रम की आत्मा, ज्ञान की आत्मा और प्रभु का भय उस पर विश्राम करेगा।" और जैसे ही आप अध्याय के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, छंद 2-10 इस शाखा के आगे आने के परिणामों का वर्णन करता है, और इसे दो और खंडों में विभाजित किया जा सकता है: 2-5 आत्मा और उसके कार्यों द्वारा उसकी बंदोबस्ती के बारे में बात करते हैं, और 6-10 उसके राज्य की विशेषताओं का वर्णन करें। तो आइए उस संरचना को ध्यान में रखते हुए अध्याय को देखें।

देवता और मसीहाई व्यक्ति का गठजोड़ जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, श्लोक 2 आत्मा द्वारा शाखा की बंदोबस्ती की बात करता है। यदि आप यशायाह की पुस्तक 4:2 में पहले जाते हैं, जिसे मैंने सुझाव दिया था कि उसे मसीहाई अर्थ में भी लिया जाना चाहिए, 4:2 है: "उस दिन प्रभु की शाखा सुंदर और महिमामय होगी," याद रखें, " और पृथ्वी की उपज उत्तम और उत्तम होगी।" 4:2 में देवता का कम से कम एक संकेत है; यह प्रभु की शाखा है, आने वाले मसीहा का देवता है। यह 7:14 में थोड़ा और स्पष्ट हो जाता है: "कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी और तू उसका नाम इम्मानुएल रखना, हे परमेश्वर, हमारे साथ।" यशायाह 7:14 में ईश्वर को निश्चित रूप से सामने लाया गया है। और फिर यशायाह 9:6: "क्योंकि हमें एक बालक दिया गया है, वह अद्भुत, युक्ति करनेवाला, पराक्रमी परमेश्वर कहलाएगा," निश्चय ही वहां देवता। तो 4:2, 7:14, 9:6 में - जो सभी मसीहाई हैं - आपके पास देवता का विचार है।

यशायाह 11:2-3 6 यहां 11:1 में आत्मा की शक्ति और धर्मी न्याय देवता के पहलुओं पर इतना अधिक ध्यान नहीं दिया गया है या उन पर जोर नहीं दिया गया है, लेकिन यहां जो जोर दिया गया है वह पवित्र आत्मा के साथ उसका भरना है - उसका पवित्र के साथ भरना आत्मा, और उसके कार्यों की धार्मिकता. तो आने वाले मसीहा की तस्वीर भरनी शुरू हो जाती है। आपने पद 2 में देखा कि पवित्र आत्मा की शक्ति के छह अलग-अलग पहलू हैं। मैं उन पर समय बर्बाद नहीं करने जा रहा हूं,

बल्कि ज्ञान और समझ की आत्मा, सलाह और ताकत की आत्मा, ज्ञान की आत्मा और भगवान के भय पर - दो, दो, दो, लेकिन छह कुल पहलुओं में समूहीकृत किया गया है। आत्मा की शक्ति.

और फिर पद 3, उसके निर्णयों की धार्मिकता: "आत्मा उसे प्रभु के भय के कारण शीघ्र समझदार बनाएगी, और वह आंखों के देखते हुए न्याय न करेगा, और कानों के सुनने के अनुसार दोष नहीं देगा, परन्तु धर्म से काम करेगा।" वह गरीबों का न्याय करता है।" यह सतही निर्णय नहीं है; यह आँखों देखी सूरत के अनुसार न्याय नहीं है, "परन्तु वह कंगालों का न्याय धर्म से करेगा, और पृथ्वी के नम्र लोगों को सीधाई से डांटेगा, और अपने मुंह के सोंटे से पृथ्वी को मारेगा।" इसलिए पद तीन उसके न्याय की धार्मिकता की बात करता है। यूहन्ना 2:25 मसीह के बारे में कहता है कि वह वह सब जानता था जो मनुष्य में था, और उसकी शक्ति का वही पहलू जो यहाँ दिखाई देता है।

यशायाह 11:4 धर्मी शासक पद चार ही एकमात्र पद है जो उसकी गतिविधियों के बारे में बताता है, और जब आप पद चार को पढ़ते हैं तो जिन बातों के बारे में बात की जाती है वे एक शिक्षक के बजाय एक शक्तिशाली शासक की विशेषताएँ लगती हैं। श्लोक चार उन चीज़ों पर केन्द्रित प्रतीत होता है जो वास्तव में अभी तक मसीह द्वारा नहीं की गई हैं। वह अपने प्रथम आगमन पर एक पीड़ित सेवक, शिक्षक के रूप में आये; वह शासक के रूप में अपने दूसरे आगमन पर आएगा। आप श्लोक चार में कहते हैं, "वह धर्म से कंगालों का न्याय करेगा, और पृथ्वी के नम्र लोगों को सीधाई से डांटेगा, और वह पृथ्वी को अपने मुंह के सोंटे से मारेगा, और अपने होठों की सांस से दुष्टों को मार डालेगा," " और मुझे लगता है कि जो चीज़ें सामने हैं वे ऐसी चीज़ें हैं जो उनके पहले आगमन के बजाय उनके दूसरे आगमन पर घटित होंगी। और मुझे लगता है कि पद की समझ की पुष्टि 2 थिस्सलुनीकियों 2:8 से होती है, जहां पॉल इस पद का संकेत देता है जब वह कहता है, "और तब वह दुष्ट प्रकट होगा, जब प्रभु अपने मुंह की आत्मा से नाश करेगा।" उसके आगमन की चमक से नष्ट कर दो।" पॉल अपने समय से परे भविष्य की ओर देख रहा है, और वह भविष्य में किसी समय बोलता है, "दुष्ट प्रकट होगा जिसे प्रभु अपने मुंह की आत्मा [अर्थात् सांस] से नष्ट कर देगा।" अब, पॉल अपने मुंह, अपने होठों की सांस से दुष्ट को मारने को देखता है, जैसे कि उसके समय में अभी तक ऐसा नहीं हुआ था।

यशायाह 11:4 - दुष्ट को नष्ट कर दिया गया [2 थिस्स] 2:8; प्रका0वा0 19:11-21] मुझे लगता है कि पॉल का यह उद्धरण हमें दूसरे तरीके से भी मदद करता है: जब आप 11:4 के अंतिम वाक्यांश में पढ़ते हैं, "वह अपने होठों की सांस से दुष्टों को मार डालेगा - वह दुष्टों को मार डालेगा" दुष्ट," अंग्रेजी में इसका मतलब है कि वह हर उस व्यक्ति को मार डालेगा जो दुष्ट है। "वह दुष्टों को मार डालेगा" यह वाक्यांश सामूहिक लगता है, लेकिन जरूरी नहीं है, हालांकि इसे अंग्रेजी में जिस तरह से कहा जाता है, उसे सामूहिक रूप में समझा जा सकता है। अंग्रेजी में, जब किसी विशेषण का प्रयोग मूलवाचक के रूप में किया जाता है, तो इसका तात्पर्य बहुवचन से होता है। तो, "वह दुष्टों को मार डालेगा।" लेकिन दिलचस्प बात यह है कि, जब पॉल इस कविता की ओर इशारा करता है, तो वह एकवचन का उपयोग करता है, और यह किसी ऐसी चीज़ के बारे में बात कर रहा है जो उसके अपने समय, पॉल के समय के भविष्य में घटित होने वाली थी। वह कहता है, "तब वह दुष्ट प्रगट हो जाएगा जिसे यहोवा अपने मुँह की आत्मा से भस्म कर देगा।" "दुष्ट व्यक्ति" - हिब्रू इसे किसी भी तरह से जाने की इजाजत देता है, या तो एकवचन या बहुवचन के रूप में - लेकिन पॉल स्पष्ट रूप से इसे एकवचन बनाता है, और ग्रीक में "दुष्ट व्यक्ति", इस कविता में पॉल का संकेत है ग्रीक शब्द *एनोमोस* है, और यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि एक व्यक्ति को संदर्भित किया जा रहा है - यह अराजक, "दुष्ट व्यक्ति।" इसके बाद राजा जेम्स इसका अनुवाद इस प्रकार करते हैं, "दुष्ट प्रकट हो जाएगा जिसे प्रभु अपने मुँह की आत्मा से भस्म कर देगा।" ग्रीक में "उसके मुँह की आत्मा" *न्यूमेटी* है, हिब्रू में *रूआ* है। वहाँ के राजा जेम्स कहते हैं, "अपने होठों की सांस के साथ।" मुझे लगता है कि *न्यूमेटी* को "सांस" के रूप में रखना बेहतर होता, आपको न्यूमेटिक का अनुवाद करना चाहिए क्योंकि यह दोनों जगहों पर एक ही तरह से दिखाई देता है। आप शब्द का अनुवाद समान रूप से "सांस, आत्मा, हवा" के रूप में कर सकते हैं - लेकिन इसे लगातार बनाए रखना बेहतर होगा। लेकिन मुझे लगता है कि 11:4 के नए नियम के संकेत के बारे में मुख्य बात यह है कि हम श्लोक चार को स्पष्ट रूप से समझने के लिए प्रेरित होते हैं, जो कि अभी भी भविष्य है, पॉल के समय के लिए भविष्य, और संभवतः अभी भी भविष्य है, हमारे अपने समय का भविष्य - मसीह विरोधी प्रश्न।

जहां तक संकेत की बात है तो यह भी संभव है - यह कम स्पष्ट है, और शब्दांकन उतना स्पष्ट नहीं है - लेकिन यदि आप प्रकाशितवाक्य 19 पर जाते हैं, तो आप पद 11 से शुरू होने वाले अंश में ध्यान देते हैं, "मैंने स्वर्ग को खुला देखा; मैंने स्वर्ग को खुला देखा।" देखो, एक श्वेत घोड़ा है, और जो उस पर बैठा है, वह विश्वासयोग्य, सच्चा, और धर्मी कहलाता है। वह न्याय करता है और युद्ध कराता है। उसकी आँखें आग की ज्वाला की तरह थीं," इत्यादि...

आयत 15 में यूहन्ना कहता है, "और उसके मुँह से एक तेज़ तलवार निकलती है, जिससे वह राष्ट्रों को मारे, और लोहे की छड़ी से उन पर शासन करे।" हमारे पास प्रभु के मुख के बारे में यह विचार है, और जो मुख से निकलता है वह दुष्टों को मारने वाला है - यहाँ यह बहुवचन है, यह राष्ट्र है - "और वह उन पर लोहे की छड़ी से शासन करेगा," एक समान विचार, और निश्चित रूप से यशायाह मार्ग - यहां कोई सीधा उद्धरण नहीं है - लेकिन यशायाह मार्ग प्रकाशितवाक्य 19:15 में जो कहा गया है उसकी पृष्ठभूमि में हो सकता है - हाँ यह बहुवचन है, यह बहुवचन है। श्लोक 21 कहता है, "और जो घोड़े पर बैठा था, उसकी तलवार से उसके बचे हुए लोग मारे गए, तलवार उसके मुँह से निकलती थी, और सब पक्षी उनके मांस से भर गए," लेकिन मुझे लगता है कि थिस्सलुनिकियों का संकेत यशायाह 11:4 में है निश्चित रूप से प्रकाशितवाक्य 19 की तुलना में अधिक स्पष्ट।

यशायाह 11:6-9 उसके राज्य का चरित्र

ठीक है, तो यह पहला खंड, 2-5, आत्मा द्वारा उसकी बंदोबस्ती और उसके कार्यों का वर्णन करता है। छंद 6-9 उसके राज्य के चरित्र का वर्णन करता है। श्लोक 6-9 यशायाह 11 का सुप्रसिद्ध खंड है, "भेड़िया मेमे के साथ रहा करेगा, चीता बकरी के बच्चे के साथ बैठा रहेगा, बछड़ा और जवान सिंह और मोटा गाय एक साथ बैठा रहेगा, और एक छोटा बच्चा उनकी अगुवाई करेगा।" ; और गाय और रीछनी चरा करेंगी, और उनके बच्चे इकट्ठे बैठा करेंगे; सिंह बैल की नाई भूसा खाएगा; और दूध पीता हुआ बच्चा नाग के बिल में खेलेगा, और दूध छुड़ाया हुआ बच्चा नाग के बिल में अपना हाथ रखेगा; वे मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो दुःख देंगे और न नाश करेंगे; क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे जल समुद्र में भरा रहता है।" उनके साम्राज्य का चरित्र 6-9: नौ तथ्यों का सार प्रस्तुत करता है, जैसा कि आप कह सकते हैं; नौ कहता है, "मेरे सारे पवित्र पर्वत

पर वे न तो दुःख पहुंचाएंगे और न नाश करेंगे; क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे जल समुद्र में भरा रहता है।”

मुझे ऐसा लगता है कि नौ सुझाव देता है कि यहाँ चित्र मसीहा के शासनकाल के माध्यम से लाए गए बाहरी खतरे को हटाने का है - हाँ, मसीहा के शासनकाल के माध्यम से लाए गए बाहरी खतरे को हटाने का। "न हानि पहुंचाओगे, न नष्ट करोगे, क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से भर जाएगी।" ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ सन्दर्भ यशायाह 2:2-4 में संदर्भित उसी समयावधि का है, जब, "तलवारों को पीट-पीटकर हल के फाल बनाया जाएगा," और जब, समानांतर मीका परिच्छेद में, यह कहा गया है, "प्रत्येक मनुष्य को अपनी ही बेल और अंजीर के वृक्ष तले बैठा करो; उन्हें डराने वाली कोई बात नहीं होगी" - बाहरी खतरे को दूर करना। भगवान कहते हैं कि इस पृथ्वी पर एक समय आएगा जब किसी को बाहरी हमले से डरने की ज़रूरत नहीं होगी, और वह समय इस आने वाले शासक, इस दिव्य शासक द्वारा स्थापित किया जाएगा।

यशायाह 11:6-9 और सहस्राब्दी अब, इतना कुछ कहने के बाद, अभी भी एक प्रश्न है, और वह प्रश्न यह है: हम छंद 6-9 की बारीकियों को कैसे समझते हैं? क्या इसे अक्षरशः लिया जाए? या यह आलंकारिक है? भेड़िया मेमने के साथ रहेगा, तेंदुआ बच्चे के साथ रहेगा, गाय और भालू भोजन करेंगे - ये सभी विशिष्ट बातें। मुझे ऐसा लगता है, चाहे आप इसे आलंकारिक रूप से लें या शाब्दिक रूप से, इस बात से इनकार करना मुश्किल है कि यह हमें जो बताता है वह एक ऐसा समय है जहां खतरा दूर हो गया है, और जहां बाहरी शांति और सुरक्षा की स्थितियां हैं; यही बात प्रतीत होती है। मुझे लगता है कि इसे समझा जा सकता है भले ही यह उस समय का आलंकारिक वर्णन हो जहां खतरा दूर हो गया है, और जहां शांति और सुरक्षा है। उस अवधि को आम तौर पर सहस्राब्दी के रूप में जाना जाता है, ज़ाहिर है, प्रकाशितवाक्य 20 संकेत से लिया गया है कि शैतान 1,000 वर्षों के लिए बंधा रहेगा।

मुझे व्यक्तिगत रूप से इतना यकीन नहीं है कि मैं हज़ार साल आगे बढ़ा पाऊंगा; यह लंबी अवधि के लिए भी एक आंकड़ा हो सकता है। मैं नहीं जानता कि इसके लिए ठीक-ठीक एक हजार वर्ष की आवश्यकता है, विशेष रूप से उस तरह के साहित्य में, सर्वनाशी साहित्य में, लेकिन निश्चित

रूप से शांति और सुरक्षा के समय की एक लंबी अवधि - शायद एक हजार वर्ष, शायद लंबी अवधि के लिए एक आंकड़ा . यशायाह इस अवधि की अवधि का कोई संकेत नहीं देता है; वह बस इतना कहता है कि अब वह समय आ गया है जब जेसी के तने से निकली यह छड़ी शासन करने वाली है, जब ये स्थितियां अस्तित्व में लाई जाएंगी।

ईसा की व्याख्या करने के 3 तरीके। 11:6-9 अब शाब्दिक या आलंकारिक प्रश्न पर वापस जाने के लिए, अपने उद्धरण चयन पृष्ठ 14 को देखें। मेरे पास यहां जॉन ओसवाल्ट के कुछ पैराग्राफ हैं, मुझे लगता है कि यह ओसवाल्ट है, मुझे यकीन नहीं है। यह यशायाह पर नया अंतर्राष्ट्रीय टिप्पणी खंड, अध्याय 1-39 है। यह कुछ साल पहले सामने आया था - मैंने इसका जो उपयोग किया है, उससे यह काफी अच्छा लगता है। लेकिन ध्यान दें कि वह यहां क्या कहते हैं: "ऐसे बयानों की व्याख्या करने के तीन तरीके हैं," और वह इन श्लोक 6-9 के बारे में बात कर रहे हैं, "पहला शाब्दिक है: शब्दों की शाब्दिक पूर्ति की तलाश करना। हालांकि यह व्याख्या संभव है, तथ्य यह है कि शेर की मांसाहारीता एक शेर के लिए मौलिक है, और भविष्यवाणी की शाब्दिक पूर्ति के लिए शेर की प्रकृति के बुनियादी परिवर्तन की आवश्यकता होगी, यह बताता है कि एक और व्याख्या का इरादा है। इसलिए आपको मसीहा के बारे में पुराने नियम के कथनों को तौलना होगा जिनकी चर्च द्वारा पुनर्व्याख्या की गई है। तो वह कहते हैं 1) पहला तरीका शाब्दिक है।

व्याख्या का दूसरा साधन अध्यात्मवादी है: जानवर मनुष्यों के भीतर विभिन्न आध्यात्मिक स्थितियों का प्रतिनिधित्व करते हैं - दूसरे शब्दों में, आप जानवरों के बारे में बात भी नहीं कर रहे हैं। हालांकि यह शाब्दिक पूर्ति की समस्याओं से बचाता है, यह कई अन्य समस्याओं का परिचय देता है, जिनमें से मुख्य इस प्रक्रिया पर किसी भी नियंत्रण के पाठ में अनुपस्थिति है; इस प्रकार, यह पत्राचार खोजने के लिए पूरी तरह से व्याख्याताओं की सरलता पर निर्भर करता है, विपरीत 5:1-7, यह वह मार्ग है जहां इज़राइल एक अंगूर के बाग की तरह है, जहां पत्राचार स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है।

इस परिच्छेद और इसे पसंद करने वाले अन्य लोगों की व्याख्या करने का तीसरा तरीका आलंकारिक है। इस दृष्टिकोण में कोई यह निष्कर्ष निकालता है कि भाषण के एक विस्तारित

आंकड़े का उपयोग एक एकल, व्यापक बिंदु बनाने के लिए किया जा रहा है: अर्थात्, मसीहा के शासनकाल में असुरक्षा, खतरे और बुराई से जुड़े भय को हटा दिया जाएगा; न केवल व्यक्ति के लिए, बल्कि विश्व के लिए भी। (रोमियों 8:19-21 देखें, जहां सृष्टि कष्ट सहती है और कराहती है।) वास्तव में ईश्वर अपनी अनंत रचनात्मकता में इसे कैसे करना चुन सकता है, यह उसका निर्णय है, लेकिन वह ऐसा करेगा, इस पर हम विश्वासपूर्वक विश्वास कर सकते हैं - ताकि ओसवाल्ट जो सुझाव दे वह है इसे करने के तीन तरीके. वह उस तीसरे को चुनता है। उनके "अध्यात्मवादी" दृष्टिकोण और "आलंकारिक" दृष्टिकोण के बीच अंतर पर ध्यान दें जैसा कि वह उन्हें लेबल करते हैं।

अब, उस पर कुछ टिप्पणियाँ: यदि आप इस खंड को शाब्दिक रूप से लेते हैं, तो आपके पास निश्चित रूप से एक विचार पेश किया गया है जो यशायाह 2 या मीका 4 में नहीं पाया जाता है - यही वह विचार है जिसे पशु सृष्टि शांति की इन स्थितियों में साझा करने जा रही है और एक तरह से सुरक्षा जो उनके व्यवहार और शायद उनके शरीर विज्ञान को भी मौलिक रूप से बदल देगी। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यहां जिस बारे में बात की जा रही है वह पाप में गिरने से पहले ईडन गार्डन की स्थितियों में वापसी है, जो एक दिलचस्प विचार है। आप उत्पत्ति के आरंभिक अध्यायों में पाते हैं कि उन सभी जानवरों को आदम के पास लाया गया और उसने उनका नाम रखा; आदम और जानवरों के बीच या जानवरों और जानवरों के बीच दुश्मनी का कोई संकेत नहीं है, हालाँकि वहाँ बहुत अधिक विवरण नहीं है ; यह सिर्फ इतना कहता है कि प्रभु उन्हें लाए, और आदम ने उनका नाम रखा, और उनमें उसके जैसा कोई नहीं पाया गया, और फिर हव्वा बनाई गई। वह कुछ हद तक आकर्षक लगता है; हालाँकि, यदि आप इसे इस तरह से समझते हैं तो यह पाप में गिरने से पहले पशु साम्राज्य में मृत्यु का प्रश्न उठाता है। क्या पाप में गिरने से पहले पशु साम्राज्य में मृत्यु थी? मुझे ऐसा लगता है कि जब आप उस प्रश्न पर विचार करते हैं, तो इसकी काफी संभावना है कि पाप में गिरने से पहले जानवरों के साम्राज्य में मृत्यु होती थी।

मुझे लगता है कि इस बिंदु पर, पृष्ठ दो के नीचे, डैनियल वंडरली की पुस्तक *गॉड्स टाइम रि कॉर्ड्स इन एंशिअंट सेडिमेंट्स, आपकी ग्रंथ सूची में है*। मुझे यकीन है कि यह लाइब्रेरी में है, शायद किताबों की दुकान में भी। उस पुस्तक के पृष्ठ 236-240 पर एक परिशिष्ट है जिसका शीर्षक है, "पतन से पहले मृत्यु की समस्या।" वह इसमें कुछ विस्तार से बताता है, और मुझे लगता है कि

यह निष्कर्ष निकालने के लिए अच्छा मामला है कि पतन से पहले पशु साम्राज्य में मृत्यु हुई थी। जहां तक मानव पाप के प्रभाव की बात है तो जानवरों के साम्राज्य में मृत्यु स्वयं अभिशाप का हिस्सा नहीं थी। आप जानते हैं, रोमियों 5 कहता है कि एक मनुष्य के पाप से मृत्यु जगत में आई - पाप से मृत्यु; ऐसा प्रतीत होता है कि इसका तात्पर्य मानव जाति से है, आवश्यक रूप से पशु साम्राज्य से नहीं।

देखिए, यदि आप यह कहने जा रहे हैं कि जानवरों के साम्राज्य में कोई मृत्यु नहीं हुई, तो आप किस बारे में कहते हैं - यह मूर्खतापूर्ण बातें लग सकती हैं, लेकिन ये ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में आपको सोचना होगा - आप हाथी के बारे में क्या कहते हैं अपना पेय लेने के लिए पानी की धारा या तालाब की ओर चला गया और उसका पैर घास आदि में मौजूद कुछ कीड़ों पर पड़ गया: वे कुचले गए होंगे। आप उन व्हेलों के बारे में क्या कहते हैं जो इस सारे प्लवक को ग्रहण करती हैं और खुद को जीवित रखती हैं? आप जानते हैं, यह पानी ही है जो छलनी जैसे उपकरणों में से होकर बहता है। पूरी खाद्य शृंखला एक जीव के दूसरे जीव के पोषण पर बनी है, और मुझे नहीं लगता कि इसे पतन के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि ऐसा होता, तो इससे कई अन्य प्रश्न खड़े हो जाते, इसलिए मुझे लगता है कि आपको इसके विवरण को दबाने में सावधानी बरतनी होगी। ऐसे बहुत से प्रश्न हैं जो हम पूछ सकते हैं जिनका उस क्षेत्र में उत्तर देना कठिन है। इसलिए मैं ओसवाल्ड से सहमत होना चाहूंगा कि एक आलंकारिक व्याख्या जो बाहरी खतरे को दूर करने की स्थितियों की बात करती है, या इन सभी विशिष्टताओं से जो बात कही जा रही है, वह एकमात्र बात यह है कि डरने का कोई कारण नहीं है - उसे हटा दिया जाएगा।

यशायाह 11:6-9 पोस्ट-मिल परिप्रेक्ष्य से लेकिन आइए एक और प्रश्न देखें: पोस्ट-मिल और ए-मिल व्याख्याकार छंद 6-9 को कैसे समझते हैं? पोस्ट-मिलिट्री दृश्य के लिए, पृष्ठ 11 पर जाएं, और मैंने यहां यशायाह की भविष्यवाणियों पर जोसेफ एडिसन अलेक्जेंडर की टिप्पणी से कुछ पैराग्राफ लिए हैं - वह पोस्ट-मिलिट्री था। वह कहते हैं, “ज्यादातर ईसाई लेखक, प्राचीन और आधुनिक, यहूदियों में अबेन एज्रा और मैमोनाइड्स के साथ, भविष्यवाणी को पूरी तरह से भगवान के लोगों द्वारा आनंद ली जाने वाली शांति के रूपक और वर्णनात्मक के रूप में समझते हैं। दूसरे शब्दों में, सुसमाचार के प्रसार के वर्तमान युग में। यह नई व्यवस्था में परमेश्वर के लोगों द्वारा आनंद ली जाने

वाली शांति का एक प्रतीकात्मक वर्णन है। अलेक्जेंडर आगे कहते हैं, " कोएसियस और क्लेरिकस इस मार्ग को चर्च और दुनिया के बीच बाहरी शांति के लिए लागू करते हैं, लेकिन इसे आम तौर पर," ध्यान दें, "स्वयं दुष्ट लोगों में ईसाई धर्म द्वारा किए गए परिवर्तन का वर्णन माना जाता है। विट्रिगा परिदृश्य में प्रत्येक आकृति को एक विशिष्ट अर्थ देता है जिससे मेमना, बछड़ा और मोटा जानवर ईसाई की प्रगति में क्रमिक चरणों को दर्शाता है। शेर खुले शत्रुओं का प्रतिनिधित्व करता है, तेंदुआ अधिक छिपे हुए शत्रुओं का प्रतिनिधित्व करता है, भेड़िया विश्वासघाती और घातक शत्रुओं का प्रतिनिधित्व करता है, छोटा बच्चा मंत्री - छोटा बच्चा उनका नेतृत्व करेगा; वह मंत्री की तस्वीर है।

“ इस प्रकार का प्रदर्शन न केवल सुंदरता को धूमिल करता है, बल्कि भविष्यवाणी के वास्तविक अर्थ को भी अस्पष्ट करता है। केल्विन और हेंगस्टेनबर्ग का मानना है कि इस अनुच्छेद में भौतिक रचना में भविष्य में बदलाव का वादा शामिल है, दूसरे शब्दों में, न केवल उन लोगों में जिन्होंने सुसमाचार का जवाब दिया है, बल्कि भौतिक रचना में - इसे इसकी मूल स्थिति में बहाल करना (रोमियों 8: 19-22), जबकि वे श्लोक 7 के प्राथमिक विषय के रूप में सच्चे धर्म के विशिष्ट प्रभावों के बारे में अन्य लेखकों से सहमत हैं जहां यह कहा गया है, 'गाय और भालू चरेंगे... इत्यादि' शेर और बैल भूसा खाएंगे... " अलेक्जेंडर कहते हैं, " विट्रिगा ने गाय को ईसाइयों का प्रतिनिधि बनाकर अपनी रूपक परिकल्पना को आगे बढ़ाया है जो निर्देश देने के साथ-साथ निर्देश प्राप्त करने, दूध देने और पीने के बिंदु तक पहुंच गई है। वह दैवीय सत्य या सुसमाचार के प्रतीक के रूप में पुआल के उपयोग के लिए इस आधार पर माफी मांगता है कि इसके सिद्धांत बहुत सरल हैं और भयानक भूख को आमंत्रित नहीं करते हैं ।

ऐसी व्याख्याओं का मनमाना चरित्र गिल की इस टिप्पणी से उजागर होता है कि यहां स्ट्रॉ का अर्थ सच्चा सिद्धांत है, अन्यत्र गलत। देखिए, आप उस रास्ते पर चलना शुरू करते हैं और आप विभिन्न वाक्यांशों में लगभग कोई भी अर्थ डाल सकते हैं जो आप चाहते हैं। 6:11 से उद्धृत करते हुए, "सच्चाई यह है कि न तो तिनका और न ही शेर का अपने आप में कोई मतलब है, लेकिन शेर का तिनका खाना आदत और वास्तव में प्रकृति के पूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है, और इसलिए यह एक उपयुक्त प्रतीक है," यहां दिया गया है जिस तरह से वह इसे समझता है, "वह क्रांति जो सुसमाचार, अपने प्रभाव के अनुपात में, समाज की स्थितियों में प्रभाव डालता है, और फिर कुछ

संकेतों के साथ संभवतः पहले की तरह अंतिम उद्धार का सुझाव देता है," - और उसके पास वहां एक ग्रीक शब्द है - *केटिसिस*, या अतार्किक रचना, "भ्रष्टाचार के उस बंधन से जिसके लिए मनुष्य की खातिर अब यह अधीन है। और दूध पीता बच्चा नाग के बिल के ऊपर या उसके ऊपर खेलेगा; तुलसी की मांद पर दूध छुड़ाया हुआ बच्चा फैलाएगा या अपना हाथ रखेगा।"

पृष्ठ 12 के शीर्ष पर, लूथर और केल्विन और हस के अनुसार, उन बच्चों के रूप में जिन्हें ईसाई विरोधी सांपों की मांद में अपना हाथ डालना था - यह वास्तव में रूपक की एक निरंतरता है, आप देखते हैं, वह जिस तरह से लेता है यह, श्लोक 7 में शुरू हुआ, और एक अतिरिक्त चित्र के माध्यम से सच्चे धर्म के प्रसार से समाज में होने वाले परिवर्तन को व्यक्त करता है - न केवल प्रभावों को नष्ट करता है, बल्कि सुरक्षा में रहना संभव बनाता है।

आप देख सकते हैं, वह अंतिम कथन इस प्रकार है जैसे वह इसे देखता है, "वे मेरे पूरे पवित्र पर्वत पर चोट नहीं पहुँचाएँगे या नष्ट नहीं करेंगे," इत्यादि। पहला खंड स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पूर्वगामी विवरण को आलंकारिक रूप से समझा जाना चाहिए: भेड़िया और मेमने को एक साथ लेटना चाहिए, दूसरे शब्दों में, मसीहा के राज्य में किसी को भी चोट या विनाश नहीं करना चाहिए; लेकिन अलेक्जेंडर, अन्य पोस्ट-मिल्स की तरह, सुसमाचार के प्रसार के माध्यम से समाज में शांति की स्थिति लाते हुए देखते हैं, शायद भ्रष्टाचार के बंधन से सृजन की मुक्ति के लिए कुछ संकेत के साथ। दूसरे शब्दों में, वह इसे केवल मनुष्यों के बीच संबंधों तक ही सीमित नहीं कर रहे हैं, शायद यह किसी न किसी रूप में सृष्टि को भी प्रभावित करता है। अब, आप देखिए, पोस्ट-मिलिट्री और प्री-मिलिट्री समझ के बीच इतना अंतर नहीं होगा। अंतर यह है कि ये स्थितियाँ कैसे स्थापित की जाएंगी: क्या वे वर्तमान युग में सुसमाचार के प्रसार के माध्यम से स्थापित की जाएंगी? या क्या हमें मसीह की वापसी का इंतजार करना चाहिए, और वह अपनी वापसी के बाद इसे स्थापित करेगा?

यशायाह 11:6-9 एक ए-मिल परिप्रेक्ष्य से

ठीक है, यह पोस्ट-मिल है। ए-मिल व्याख्या के लिए, अपने उद्धरणों में पृष्ठ 18 और 19 देखें। यह ईजे यंग, खंड 1, पृष्ठ 390, दूसरे पैराग्राफ, पृष्ठ 18 के शीर्ष से लिया गया है। यंग कहते हैं, "हमें इस शानदार भविष्यवाणी के शब्दों को कैसे समझना चाहिए? कुछ लोग सोचते हैं कि यह मार्ग

केवल स्वर्ग में वापसी को दर्शाता है जैसा कि आमतौर पर पूर्वजों द्वारा सिखाया गया था। (संदर्भ के लिए नोट 13 देखें।) “पुराने प्रतिपादकों के अनुसार, पशु जगत में परिवर्तन की ये अभिव्यक्तियाँ स्वयं मनुष्य में परिवर्तन को व्यक्त करने के लिए मात्र आंकड़े थे; इसलिए, उदाहरण के लिए, केल्विन, इन छवियों के माध्यम से पैगंबर की टिप्पणी से संकेत मिलता है कि मसीह के लोगों के बीच एक दूसरे को चोट पहुंचाने की कोई प्रवृत्ति नहीं होगी, न ही कोई क्रूरता और न ही कोई अमानवीयता। और बिना किसी संदेह के भविष्यवक्ता यह सिखाने की इच्छा रखता है कि मानव स्वभाव में परिवर्तन होगा, क्योंकि भविष्य में यह आशीर्वाद ऐसा होगा जिसमें भगवान का ज्ञान पृथ्वी को वैसे ही ढक लेगा जैसे पानी समुद्र को ढक लेता है। साथ ही, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यशायाह ने स्वयं जानवरों पर बहुत जोर दिया है, और यह तथ्य दर्शाता है कि आलंकारिक व्याख्या के साथ विस्तार से आगे बढ़ना असंभव है। यदि सब कुछ केवल आलंकारिक है, तो जानवरों में परिवर्तन के संबंध में इतने विस्तृत बयानों का क्या मतलब है? ऐसा भी प्रतीत होता है कि हमारे यहां मनुष्य के पाप में पतन से पहले की स्थिति के साथ समानता या तुलना है। दुनिया में पाप के प्रवेश से पहले, जानवर मनुष्य की मदद करते थे और उनके नाम उनके द्वारा रखे गए थे। परमेश्वर ने जो कुछ बनाया वह अच्छा था; मनुष्य और जानवरों के बीच शत्रुता कम से कम अज्ञात थी।

हेंगस्टेनबर्ग सही कहते हैं, मेरा विश्वास है, और पवित्रशास्त्र के अनुसार, 'जहां कोई बेंत नहीं थी, वहां शेर भी नहीं था।' क्या ऐसा नहीं है कि यशायाह की भाषा में, 'शेर बैल की तरह भूसा खाएगा', जानवरों को दिए गए आदेश और अनुमति पर एक प्रतिबिंब है कि हर हरी जड़ी बूटी उनके मांस के लिए होनी चाहिए?" अगला अनुच्छेद पृष्ठ 391, अगले पृष्ठ पर है। "पवित्रशास्त्र के अन्य अंश यह भी संकेत देते हैं कि जब तर्कसंगत रचना में बुराई समाप्त हो जाएगी, तो बुराई का प्रतिबिंब गैर- तर्कसंगत रचना से गायब हो जाएगा (यशायाह 65:25, 66:22)। गैर-तर्कसंगत सृष्टि में यह परिवर्तन, निस्संदेह, स्वयं मनुष्यों के बीच अधिक चमत्कारिक परिवर्तन को दर्शाता है। जानवर अब एक दूसरे से बैर नहीं रखते, क्योंकि मनुष्यों में से बुराई दूर हो गई है। मनुष्य प्रभु को जान लेंगे, और इस तथ्य का प्रतिबिंब यह प्रतीत होता है कि जानवरों के बीच भी शत्रुता का पूर्ण और पूर्ण समापन हो जाएगा। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि इस कमोबेश शाब्दिक व्याख्या पर भी, हम सभी विवरणों को दबाने के लिए बाध्य नहीं हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, हमें यह मानने की

ज़रूरत नहीं है कि शेर की संरचना में शारीरिक परिवर्तन होंगे। जो कुछ भी स्पष्ट रूप से सिखाया जाता है वह यह है कि जानवर एक दूसरे का शिकार नहीं करेंगे। यह, जैसा कि हेगस्टेनबर्ग कहते हैं, "मसीह के धन्य शासन द्वारा किए जाने वाले परिवर्तनों की सबसे चरम सीमा है। यहाँ एक बदलाव है, पुरुषों के बीच कितना अधिक है।" (पेज 19 के शीर्ष पर)

हालाँकि, यह परिवर्तन कब दिखाई देगा? उत्तर में, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यशायाह ने इस तथ्य पर जोर दिया है कि मसीहा शांति का राजकुमार है। जब मसीहा ने अपना मसीहाई कार्य पूरा कर लिया है, और यहां हम उसी प्रकार की स्थिति में आते हैं जो यंग ने यशायाह 2 के संबंध में ली थी: "जब मसीहा ने अपना मसीहाई कार्य पूरा कर लिया है, तो लोगों के दिलों में शांति का प्रवेश होता है, और जहां तक मनुष्य शांति के सिद्धांतों के प्रति सच्चे हैं जो उन्हें मसीहा से प्राप्त हुए थे, यहाँ तक कि यहाँ दर्शाए गए आशीर्वाद भी प्राप्त होते हैं। इसलिए एक हद तक यह अब साकार हो रहा है, जहां तक मनुष्य मसीहा से प्राप्त सिद्धांतों के प्रति सच्चे हैं - इसलिए एक हद तक यह अब पूरा हो रहा है। हालाँकि, इसकी पूर्णता में, यह स्थिति तब तक साकार नहीं होगी जब तक कि पृथ्वी भगवान के ज्ञान से आच्छादित न हो जाए, और वह स्थिति केवल नए स्वर्ग और नई पृथ्वी में ही प्राप्त होगी जिसमें धार्मिकता निवास करती है। तो वह कह रहा है कि यह अब कुछ हद तक पूरा हो गया है कि लोग मसीह की शिक्षाओं के प्रति वफादार हैं; हालाँकि, इसकी पूर्णता में, इसे केवल नए स्वर्ग और नई पृथ्वी में ही साकार किया जाएगा।

वह ऐसा करता है, शायद 100% नहीं, लेकिन वह उस दिशा में आगे बढ़ता है क्योंकि वह कहता है: सभी जानवरों के आलंकारिक अर्थ का क्या मतलब है अगर यह वास्तव में जानवरों को प्रभावित नहीं करने वाला है? हालाँकि वह जो कह रहा है वह यह है कि जब तक पाप है, जानवर वैसे ही बने रहेंगे जैसे वे अभी हैं - ऐसा तब तक नहीं है जब तक पाप पूरी तरह से हटा नहीं दिया जाता है कि जानवर इस तरह की स्थिति में भाग लेंगे।

वह जो कहता है उससे आप यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं, लेकिन वह ऐसा स्पष्ट रूप से नहीं कहता है। लेकिन वह कहते हैं, आप देखिए, "जहाँ तक मनुष्य शांति के सिद्धांतों के प्रति सच्चे हैं, उतनी ही दूर तक यहाँ आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।" तो यह एक योग्य डिग्री जैसी चीज़ है। अब, आप वापस आ सकते हैं, आप जानते हैं, लेकिन वह कह सकते हैं, "ठीक है, मनुष्य उस चीज़ का

पूरी तरह से पालन नहीं करते हैं जो उन्हें करना चाहिए ताकि हमें वे परिणाम न मिलें।" तो फिर आप इस शांतिपूर्ण समय को शाश्वत स्थिति में धकेल दें।

मेरे हैंडआउट के पृष्ठ 18 के नीचे जहां यह लिखा है, "हमें विवरण दबाने के लिए बाध्य होने की आवश्यकता नहीं है," वह 391 पर है। खैर, नहीं, वहां वह कहते हैं, "यह तथ्य दर्शाता है कि विस्तार से बताना असंभव है एक आलंकारिक व्याख्या।" क्या यही बात है? अरे नहीं, अगला कथन, "यदि सब कुछ केवल आलंकारिक है, तो ऐसे विवरणों का क्या मतलब है?" हाँ, यह पृष्ठ 390 पर उससे ठीक पहले पृष्ठ पर है।

लेकिन, आप देखिए, वह कह रहे हैं कि भविष्यवाणी अभी आंशिक रूप से पूरी हुई है, लेकिन पूर्णता शाश्वत स्थिति में आती है - यह पृष्ठ 19 के शीर्ष पर है। वह आगे कहते हैं, "जहां भी पाप है, ब्रेकर कहते हैं, 'वहां है' शांति की कमी; केवल वहीं शांति है जहां धार्मिकता राज करती है।" इस कारण से, यहाँ वर्णित शर्त," ध्यान दें, "एक कथित सहस्राब्दी पर लागू नहीं हो सकती।" इसीलिए वह सहस्राब्दी व्याख्या को खारिज करता है। "सहस्राब्दी सिद्धांत के समर्थकों का मानना है कि सहस्राब्दी के दौरान भी पाप है, क्योंकि सहस्राब्दी के बाद राष्ट्र युद्ध के लिए एकत्र होंगे। हालाँकि, हमारे सामने जो तस्वीर है, वह ऐसी है जिसमें कोई पाप नहीं है, बल्कि जिसमें शांति की पूर्ण अभिव्यक्ति देखी जा सकती है। हम इन शब्दों को कृतज्ञ हृदयों से पढ़ते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि एक दिन हम भी इन आशीर्वादों का पूर्ण अर्थों में आनंद लेंगे, और हम उनका आनंद केवल इममानुएल के काम के कारण लेंगे - वह जो जेसी की रीड से पैदा हुआ था, जो कैल्वरी के महान युद्ध ने दुष्टों को मार डाला ताकि उसने अपने पापों के लिए स्वयं को फिरौती दे दी, सारी प्रशंसा, सम्मान और महिमा उसके नाम पर हो।" वह 391 पर है।

यशायाह 11:6-9 यह भविष्यवाणी कब साकार होगी? तो आप सवाल पूछें कि यह भविष्यवाणी कब साकार होगी? पोस्ट-मिल का कहना है कि इस वर्तमान युग में सुसमाचार के प्रसार के माध्यम से सच्चे धर्म के प्रभाव स्वयं समाज में काम करते हैं, और सृष्टि में, ये चीजें घटित होंगी। अलेक्जेंडर का सुझाव है कि, जैसा कि हमने देखा, डेलिज़स्च, जो पोस्ट-मिल भी थे, आपके उद्धरणों का पृष्ठ 12, डेलिज़स्च पृष्ठ के मध्य में कहा गया है: "पिताओं और लूथर, केल्विन और विट्टिंगा जैसे टिप्पणीकारों

ने जानवरों की दुनिया से इन सभी आकृतियों को प्रतीकात्मक के रूप में लिया है। दूसरी ओर, आधुनिक तर्कवादियों ने उन्हें शाब्दिक रूप से समझा है, लेकिन संपूर्ण को सुंदर स्वप्न और इच्छा के रूप में मानते हैं। हालाँकि, यह एक भविष्यवाणी है," ध्यान दें कि वह क्या कहता है, "जिसकी प्राप्ति समय और अनंत काल के बीच की सीमा के इस तरफ अपेक्षित है, और जैसा कि पॉल ने रोमियों 8 को दिखाया है, वर्तमान पूर्वनिर्धारित पाठ्यक्रम में एक अभिन्न कड़ी है मोक्ष के इतिहास का। अब बड़े से लेकर छोटे तक अतार्किक प्राणियों के बीच राज है, यहां तक कि अदृश्य, भयंकर संघर्ष और सबसे क्रूर प्रकार की रक्त-पिपासु प्राणियों के बीच भी राज है। लेकिन जब दाऊद का पुत्र अपनी शाही विरासत पर पूर्ण कब्जा कर लेगा, तो स्वर्ग की शांति नवीनीकृत हो जाएगी, और स्वर्ण युग की लोकप्रिय किंवदंती में जो कुछ भी सच है उसे महसूस किया जाएगा और पुष्टि की जाएगी - यही भविष्यवक्ता दर्शाता है इतने प्यारे रंगों में।"

तो पोस्ट-मिल्स वर्तमान युग में सुसमाचार के प्रसार के माध्यम से कहते हैं; ए-मिल्स आंशिक रूप से वर्तमान युग में कहेंगे, लेकिन पूरी तरह से शाश्वत स्थिति में; जबकि प्री-मिल्स कहेंगे कि इन स्थितियों को तब तक महसूस नहीं किया जाएगा जब तक कि मसीह वापस नहीं आते और अपना राज्य स्थापित नहीं करते, लोहे की छड़ी के साथ शासन नहीं करते, और पृथ्वी पर इन स्थितियों को स्थापित नहीं करते।

अब मैं आम तौर पर प्री-मिल्स के बारे में कहता हूँ। जे. बार्टन पायने का अपना दृष्टिकोण है: पृष्ठ 15, पृष्ठ के मध्य को देखें। वह इस भविष्यवाणी के बारे में बात कर रहे हैं; वह कहते हैं, "पूर्ति अवधि 15," यदि आपने *बाइबिल की भविष्यवाणी के उनके विश्वकोश का उपयोग* किया है, तो आप जानते हैं कि वह मुक्तिदायक इतिहास को विभाजित करता है, मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं, अवधियों में, और वह प्रत्येक अवधि को एक संख्या देता है ताकि जब वह एक विशिष्ट पर आए भविष्यवाणी, और वह पूर्ति पर चर्चा करना चाहता है, वह केवल संख्या का उल्लेख कर सकता है - यह एक दिलचस्प योजना है। लेकिन उनकी योजना में अवधि 15 सहस्राब्दि है। तो वह कहते हैं, "पूर्ति अवधि 15," यह सहस्राब्दी है "जैसा कि भजन 96:12 में है, मसीह की वापसी में प्रकृति में खुशी, रोमियों 8:21, फिर भी," और यहाँ वह इसमें जो मोड़ डालता है, वह है, "शास्त्र सीमित लगता है जंगली जानवरों का वर्तमान आचरण, मनुष्यों और मानव जाति के पालतू जानवरों के साथ उनके

संबंध। उन्हें 'मेरे सभी पवित्र पर्वत' में विनाश करने से रोका गया है, लेकिन अन्यत्र, शेरों और भेड़ियों को ईडन से पहले या उसके बाहर जितने मांसाहारी लगते हैं, उससे कम नहीं होना चाहिए। तो वह वास्तव में, दो चीजें सुझा रहा है। उनका कहना है कि यहां की स्थितियां केवल माउंट सिथ्योन तक ही सीमित हैं। अन्यत्र, जानवर संभवतः वैसे ही बने रहते हैं, लेकिन फिर आप देखते हैं कि वह उस सादृश्य को उत्पत्ति में वापस खींचता है और सुझाव देता है कि जानवरों के बीच निष्क्रियता की स्थितियाँ ईडन गार्डन तक ही सीमित थीं। ईडन गार्डन के बाहर, चीजें संभवतः वैसी ही थीं जैसी अब आम तौर पर हैं। तो, एक दिलचस्प सुझाव।

यशायाह 11:10 मसीहाई गौरवशाली आराम ठीक है, श्लोक 10, "उस दिन यिशै की जड़ होगी," देखें जो श्लोक 1 पर वापस जाता है, "जो लोगों के ध्वज के लिए खड़ा होगा;" जाति जाति के लोग उसकी खोज करेंगे, और उसका विश्राम महिमामय होगा।" श्लोक 10 यशायाह 2:3 के समान है, क्योंकि 2:3 राष्ट्रों के सिथ्योन में आने की बात करता है। 2:3 कहता है, "और बहुत लोग जाकर कहेंगे, आओ, हम यहोवा के पर्वत पर चढ़कर, याकूब के परमेश्वर के भवन में जाएं; और वह हमें अपना मार्ग सिखाएगा, और हम उसके पथों पर चलेंगे; क्योंकि व्यवस्था सिथ्योन से और यहोवा का वचन यरूशलेम से निकलेगा। आप देखिये यहाँ हमारे पास यह है: "यिशै की जड़ देश देश के लोगों का चिन्ह ठहरेगी, जाति जाति के लोग उसे ढूंढ़ेंगे," और फिर यह पद इस वाक्यांश के साथ समाप्त होता है, "उसका विश्राम महिमामय होगा।" लैटिन व्लोट ने इसे *कब्र के रूप में अनुवादित* किया, "उसकी कब्र गौरवशाली होगी," "उसका विश्राम - कब्र", और इसे यरूशलेम में पवित्र कब्र की महिमा की भविष्यवाणी के रूप में लिया, जो एक पारंपरिक रोमन कैथोलिक व्याख्या रही है। लेकिन यदि आप हिब्रू में उस शब्द "विश्राम" के उपयोग को देखें, तो इसका उपयोग कभी भी कब्र के अर्थ में नहीं किया गया है। यह एक ऐसे स्थान की बात करता है जहां विश्राम है, और इसे मसीह के शब्दों के संबंध में समझना बहुत बेहतर लगता है, "हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे हुए लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें विश्राम दूंगा (मत्ती 11: 28)।" इसलिये जाति जाति के लोग उस आनेवाले को ढूंढ़ेंगे, और उसका विश्राम महिमामय होगा, वे मसीह में विश्राम पाएंगे।

ठीक है इस पर प्रश्न या टिप्पणियाँ? यशायाह 11:1-10, यह एक प्रसिद्ध मार्ग है और निश्चित

रूप से बहुत रुचिकर है। मेरे अपने विचार में यह वह है जो सहस्राब्दी काल की बात करता है।

प्रश्न: कब्र क्या है?

उत्तर: एक कब्र. यरूशलेम में चर्च ऑफ द होली सेपुलचर संभवतः वह स्थान है जहां यीशु को दफनाया गया था। वह विवादित है. वह शहर के बाहर एक गार्डन टॉम्ब पर था, जिसके बारे में कई लोग सोचते हैं कि यही वह स्थान है। परन्तु कब्र एक विश्राम स्थल है। [छात्र ने कुछ हस्तक्षेप किया] कब्रगाह? मुझे यकीन नहीं है; अगर ऐसा है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। मैं कब्र की व्युत्पत्ति के बारे में निश्चित नहीं हूँ। लेकिन लैटिन वल्गोट ने इसे केवल "विश्राम" के बजाय दफन स्थान, "सेपुलचर" के रूप में अनुवादित किया।

ठीक है? आइए 10 मिनट का ब्रेक लें और फिर हम अध्याय के अंतिम भाग को देखेंगे।

नाओमी टोव्स द्वारा लिखित , 2009, गॉर्डन कॉलेज

कार्ली गीमन द्वारा संपादित

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादन

डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन

डॉ. पेरी फिलिप्स

द्वारा पुनः सुनाया गया